बी. ए. प्रथम वर्ष (सेमेस्टर)
पाठ्यक्रम प्रथम
सिद्धांत लिखित

कार्यक्रम / कक्षा प्रमाण पत्र	वर्ष प्रथम	सेमेस्टर प्रथम
विषय – शिक्षाशस्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतक – E010101T	पाठ्यक्रम शीर्षक – शिक्षाशास्त्र का सामान्य वैचारिक ढाँचा	

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –
इस पाठ्यक्रम की पूर्णता पर शिक्षार्थी योग्य होंगे –

- शिक्षा का अर्थ, स्वरूप, क्षेत्र व उसके उद्देश्यों को समझने में।
- शिक्षा के कार्य को एवं उनकी अंतर संबद्धता को स्पष्ट करने में।
- शिक्षा को प्रभावित करने वाले विभिन्न साधनों के प्रति जागृत होने में।
- संवैधानिक मूल्यों एवं शैक्षिक प्रावधानों से परिचित होने में।
- शिक्षा प्रणाली के विभिन्न स्तरों के मध्य पहचान करने में।
- वर्तमान स्तर की शिक्षा के विभिन्न स्वरूप को स्पष्ट करने में।
- शिक्षा के स्तर और संबंधित शासकीय / नियामक संस्थाओं से परिचित होने में
- शिक्षा के विभिन्न स्तरों का महत्व एवं आवश्यकताओं का अंतर करने में।

श्रेणिया – 4	अनिवार्य
अधिकतम अंक – 75	न्यूनतम उत्तीर्णांक – 25

व्याख्यानो की पूर्ण संख्या – शैक्षणिक प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटो मे) L-4/W

इकाई	प्रकरण (विषय)	व्याख्यानों की संख्या
I	शिक्षा : धारणा एवं उद्देश्य • प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा : जीवन शैली गुरु एवं शिक्षा की धारणा। • शिक्षा की धारणाएं : अर्थ : स्वरूप	10

Prof. Swati Saxena
Convener-Education
C.S.J.M. University, Kanpur

	• विद्या ज्ञान शिक्षण, प्रशिक्षण बनाम शिक्षा। • शिक्षा के कारक। • शिक्षा के उद्देश्य : व्यक्तिक सामाजिक लोकतांत्रिक एवं व्यवसायिक।	
II	शिक्षा के कार्य ; • व्यक्तिक एवं सामाजिक विकास। • सांस्कृतिक विरासत का संचालन। • कुशलताओं की प्राप्ति। • मानवीय मूल्यों का सृजन एवं प्राप्ति। • सामाजिक लगाव। • विश्राम हेतु शिक्षा। • राष्ट्रीय एकता हेतु शिक्षा। • अंतर्राष्ट्रीय समझ हेतु शिक्षा। • मानव संसाधन विकास हेतु शिक्षा	8
III	शिक्षा के साधन • औपचारिक • अनौपचारिक • विद्यालय	7
IV	भारतीय संविधान और शिक्षा • शिक्षा के माध्यम से संवैधनिक मूल्यो का समावेश • शिक्षा के लिए संवैधनिक प्रावधान	7
	पूर्व प्राथमिक शिक्षा – • अवधारणा, उद्देश्य, पूर्व प्राथमिक	

V	शिक्षा की विशेषताए • पूर्व प्राथमिक शिक्षा के मॉडल : डाल्टन, मान्टेसरी, किन्डर गारटेन • पूर्व प्राथमिक शिक्षा की पृष्ठभूमि और वर्तमान परिदृश्य • एन. ई. पी. 2020 और पूर्व प्राथमिक शिक्षा	8
VI	प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा – • धारणा उद्देश्य और माध्यमिक शिक्षा का महत्व। • भारत में प्राथमिक शिक्षा का वर्तमान परिदृश्य।	7
VII	उच्च शिक्षा • धारणा उच्च शिक्षा का उद्देश्य। • उच्च शिक्षा की आवश्यकता। • विश्वविद्यालयों के प्रकार केंद्रीय राज्य निजी खुले । • भारत में उच्च शिक्षा का वर्तमान परिदृश्य	6
VIII	भारत मे शिक्षा पद्धति की विभिन्न नियामक / निर्देशक संस्थाए – • शिक्षा मंत्रालय (एम. एच. आर. डी.) • एन. सी. ई. आर. टी. • एस. सी. ई. आर. टी. • डी. आई. आई. टी (डाइट) • एन. आई. ओ. एस • एन. यू. ई. पी. ए. • एन. सी. टी. ई. • यू. जी. सी.	7

	• एन. ए. ए. सी. • आई. क्यू. ए. सी. • ए. आई. सी. टी. ई. • अंतरराष्ट्रीय परिषद राष्ट्रीय परिषद सीबीएसई राज्य परिषद	

पाठ्यक्रम ।।

प्रायोगिक

कक्षा – प्रमाण पत्र बी0 ए0	वर्ष प्रथम	सेमेस्टर प्रथम
विषय : शिक्षाशास्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतांक E010102P	पाठ्यक्रम शीर्षक : प्रायोगिक भारतीय संविधान की प्रस्तावना को पढ़ने इसके मूलभूत न्यायिक विचारों को समझना एवं समीक्षा करना समानता स्वतंत्र एवं बंधुत्व को जानना सूचना तैयार करना एवं अपनी पदधता को प्रस्तुत करना।	
पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम – इस पाठ्यक्रम की पूर्णता पर शिक्षार्थी योग्य होंगे – • अनुसंधान के प्रति एक ज्यादा शक्तिशाली गतिशीलता विकसित करने में। • भारतीय संविधान के मूलभूत तत्वों को ग्रहण करने में।		

श्रेणियाँ – 2		अनिवार्य
अधिकतम अंक –		न्यूनतम उत्तीर्णाकं
व्याख्यानो की संपूर्ण संख्या – शैक्षणिक प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटों में) P-2/W		
इकाई	प्रकरण (विषय)	व्याख्यानों की संख्या
I	भारतीय संविधान : प्रस्तावना एवं पृष्ठभूमि	5
II	संविधान सभा एवं भारतीय संविधान के गठन की समय सीमा	5
III	भारतीय संविधान के महत्वपूर्ण अनुच्छेद	20

स्नातक प्रथम : सेमेस्टर अध्ययन क्रम द्वितीय

पाठ्यक्रम – I

लिखित (सिद्धान्त)

कक्षा प्रमाण पत्र बी0 ए0	वर्ष – प्रथम	अर्धवार्षिक अध्ययन क्रम द्वितीय
विषय – शिक्षाशास्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतक E010201T	पाठ्यक्रम शीर्षक : भारतीय शिक्षा प्रणाली का विकास एवं चुनौतियां	

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठ्यक्रम की पूर्णता पर शिक्षार्थी योग्य होंगे –

- विभिन्न युगों की अवधि में भारतीय शिक्षा के विकास को समझने में।
- विभिन्न शैक्षिक प्रणालियों में संचालित शिक्षा के रुझानों की समीक्षा करने में।
- विभिन्न अध्ययन क्षेत्रों में भारतीय शैक्षिक विरासत के मुख्य योगदान का वर्णन करने में
- भारतीय संस्कृति एवं शैक्षिक विरासत के विषय में विदेशी यात्रियों के विचारों की चर्चा करने में।
- शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर भारतीय शिक्षा की समस्याओं

श्रेणिया – 4	अंनिवार्य
अधिकतम अंक 75	न्यूनतम उन्तीर्णांक 25

व्याख्यानो की सम्पूर्ण संख्या – शैक्षणिक – प्रयौगिक (प्रति सप्ताह घण्टों मे) L-4/W

इकाई	प्रकरण / विषय	व्याख्यानो की संख्या
I	प्राचीन शिक्षा प्रणाली • वैदिक एवं बौद्ध कालीन युग मुख्य विशेषताएं शिक्षा के उद्देश्य शिक्षा प्रणाली के गुण एवं दोष वर्तमान भारतीय शिक्षा के प्रति योगदान। • प्राचीन भारतीय प्रणालियों के प्रति यात्रियों के दृष्टिकोण।	8
II	मध्यकालीन युग की शिक्षा –	8

	• मुख्य विशेषताएं। • शिक्षा का उद्देश्य। • शिक्षा प्रणाली के गुण दोष। • वर्तमान भारतीय शिक्षा के प्रति योगदान।	
III	**ब्रिटिश काल में शिक्षा** ब्रिटिश युग की कुछ विशेषताएं – • 1813 से 1833 का चार्टर एक्ट एवं पूर्वी पश्चिम विवाद। • मैकाले का छानाई का सिद्धांत • वुड प्रेक्षण • गोखले बिल • वर्धा योजना • राधाकृष्णन आयोग • मुदालियर कमिश्नर आयोग • कोठारी आयोग • राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	7
IV	भारतीय शिक्षा का स्वांतत्रयोत्तर • राधा कृष्ण अयोग • मदुलियर आयोग • कोठारी आयोग • राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 और 1992, • राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020	7
V	प्रारंभिक शिक्षा की समस्याए • प्राथमिक की असंतोषजनक स्थितिया स्कूल • प्री प्राईमरी शिक्षको का • शिक्षण सामग्री की अनुपलब्धता	8

	• पर्यवेक्षण की खमियाँ और प्रशासन • एकरूपता की समस्या	
VI	प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा की समस्याएं – • प्रवेश एवं धन की समस्या • बहुभाषावाद, बच्चे की मातृभाषा, विद्यालय की भाषा, पाठ्यपुस्तको की संख्या • समूह, कक्षा, स्तरो का अन्तर, अर्थिक बोझ, पाठ्यक्रम की समस्या • मध्यस्तर पर प्राविधिक एवं व्यावसायिक दिशा निर्देशन की समस्या। • बढते अवसाद एवं साइबर विश्व के कारण समस्या।	8
VII	उच्च शिक्षा की समस्याएं– • प्रवेश लिंग (पुल्लिंग स्त्रीलिंग मंगलामुखी) जाति वर्ग धर्म क्षेत्र की समस्याएं • भारतीय शिक्षा प्रणाली के अत्यधिक दबाव की समस्या सूचना विस्फोट एवं इसकी वैधानिकताकि समस्या • विद्यार्थियों से संबंधित समस्याएं उदासीनता, एवं प्रतियोगिता।	7
VIII	भारतीया शिक्षा के प्रभावशाली कारक • शहरीकरण • जनसंख्या विस्फोट • गरीबी • प्रतिमा पलायन	7

स्नातक सेमेस्टर ।।

पाठ्यक्रम द्वितीय

प्रायोगिक

कक्षा – प्रमाण पत्र स्नातक	वर्ष – प्रथम	अर्द्धवार्षिक अध्ययनक्रम द्वितीय
विषय – शिक्षाशास्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतांक E010202P	पाठ्यक्रम शीर्षक किसी भी (कक्षा 6 से 12 तक) सरकारी, सहायता प्राप्त, निजी विद्यालय का पार्श्व चित्र तैयार करना	
पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम : इस पाठ्यक्रम की पूर्णता पर – शिक्षार्थी योग्य होंगे। • अनुसंधान के प्रति एक ज्यादा शक्तिशाली गतिशीलता विकसित करने मे। • विद्यालय के पार्श्वचित्र की तैयारी के प्रति तत्पर होने मे।		

श्रेणिया 2	अनिवार्य
अधिकतम अंक	न्यूनतम उन्तीर्णाक

व्याख्यानों की सम्पूर्ण संख्या – शैक्षणिक प्रयोगिक (प्रति सप्ताह घण्टो मे) P-2/W

इकाई	प्रकरण / विषय	व्याख्यानो की संख्या
।	विद्यालय – आवश्यकता एवं महत्व	5
।।	प्रशासन के दृष्टिकोण से विद्यालय के प्रकार	5
।।।	विद्यालय पार्श्व चित्र क्या है? और इसकी रचना कैसे की जाए?	20

नोट – मुख्य परीक्षा मे बाह्य एवं आन्तरिक परीक्षको द्वारा सूचना का परीक्षण किया जाएगा। अंक विभाजन : पार्श्वचित्र सूचना 15 अंक, मौखिक 10 अंक।

कक्षा प्रमाण पत्र बी0 ए0	वर्ष – द्वितीय	अर्धवार्षिक अध्ययन क्रम तृतीय
विषय – शिक्षाशास्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतक E010301T	पाठ्यक्रम शीर्षक : दर्शनिक, समाजशास्त्रीय, राजनीतिक, आर्थिक परिपेक्ष्य	

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :
इस पाठ्यक्रम की पूर्णता पर – शिक्षार्थी योग्य होंगे।

- शिक्षा एवं दर्शन को परिभाषीत करे।
- दर्शन एवं तत्व ज्ञान मे अंतर स्पष्ट किजिए।
- भारतीय और पश्चिमी दर्शन की महत्वपूर्ण विशेषताओ की पहचान करे।
- आधुनिक लोगो के लिए भारतीय और पश्चिमी दार्शनिको की प्रसंगिकता का वर्णन करे।
- शिक्षा प्रणाली और समाज
- भारतीय और पश्चिमी दार्शनिक विचारो की तुलना करे।
- भारतीय समाज मे बहुलवाद और विविधता को परिभाषित करे।
- शिक्षा को राजनीतिक और आर्थिक मुद्दो से जोडे।
- मौलिक अधिकारो एवं कर्तव्यो के बीच अंतर बताइए।
- सतत विकास के लिए शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका।

श्रेणिया 4	अनिवार्य
अधिकतम अंक 75	न्यूनतम उन्तीर्णांक 25

व्याख्यानों की सम्पूर्ण संख्या – शैक्षणिक (प्रति सप्ताह घण्टो मे) L-4/W

इकाई	प्रकरण / विषय	व्याख्यानो की संख्या
I	• शिक्षा और दर्शन – अवधारना, दर्शनशास्त्र के बीच अंतर व शिक्षा से सम्बन्ध	8

II	प्राचीन भारतीय दर्शन का संक्षिप्त परिचय • वेदान्त • भगवत गीता	8
III	प्राचीन भारतीय दर्शन का संक्षिप्त परिचय • आदर्शवाद • प्रकृतिवाद • प्रयोगवाद • व्यवहारवाद	7
IV	कुछ प्रमुख शैक्षिक विचारक • महात्मा गांधी • स्वामी विवेकानन्द • डा0 बी0 आर0 अम्बेदकर • रूसो • जान डी. वी	7
V	भारतीय समाज का परिचय भारतीय समाज मे बहुलवाद एवं विविधता – जाति, वर्ग, लिंग	8
VI	विद्यालय शिक्षा एवं समाज • सामाजिक संगठन के रूप मे विद्यालय • सामाजिक परिवर्तन एवं शिक्षा •	8
VII	शिक्षा का राजनैतिक परिपेक्ष्य • मौलिक अधिकार • कर्तव्य	7

	• नीति निर्देशक सिद्धान्त	
VIII	शिक्षा के आर्थिक परिपेक्ष • सतत विकास हेतु शिक्षा • संयुक्त राष्ट्र सहशताब्दी की विकास • लक्ष्य बनाम सतत विकास के लक्ष्य	7

BA 2nd Sem III

कक्षा प्रमाण पत्र बी0 ए0	वर्ष – द्वितीय	अर्धवार्षिक अध्ययन क्रम तृतीय
विषय – शिक्षाशास्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतक E010302P	पाठ्यक्रम शीर्षक : प्रायोगिक : पाठयक्रम 2 मे शामिल प्रमुख शैक्षिक विचारको द्वारा लिखित पुस्तक की समीक्षा करे ।	
पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम : इस पाठ्यक्रम की पूर्णता पर – शिक्षार्थी योग्य होंगे। • अनुसंधान का एक मजबूत अभिविन्यास विकसित करे । • पुस्तक समीक्षा की अवधारणा को समझे।		
श्रोणिया – 2	अनिवार्य	
अधिकतम अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक	
व्याख्यानो की पूर्ण संख्या – टयूटोरियल –प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटो मे) P-2/W		

इकाई	प्रकरण / विषय	व्याख्यानो की संख्या
I	पुस्तक समीक्षा क्या है ?	2
II	एम. के. गान्धी , स्वामी विवेकानन्द और बी. आर. अम्बेडकर द्वारा लिखी पुस्तको का परिचय एवं चर्चा	18
III	रूसो एवं डेवी द्वारा लिखित पुस्तको का	10

	परिचय एवं चर्चा	

नोट :– अंतिम परीक्षा मे रिपोर्ट की जांच बाहरी और आंतरिक परीक्षको द्वारा की जाएगी। अंक वितरण : समीक्षा प्रस्तुती – 15 अंक, वाइवा – 10 अंक

बी०ए० द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम

सेमेस्टर चतुर्थ

कक्षा प्रमाण पत्र बी0 ए0	वर्ष – द्वितीय	अर्धवार्षिक अध्ययन क्रम चतुर्थ
विषय – शिक्षाशास्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतक E016401T	पाठ्यक्रम शीर्षक : (थ्योरी) लिखित : शिक्षा के मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य	
पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम : इस पाठ्यक्रम की पूर्णता पर – शिक्षार्थी योग्य होंगे। • शिक्षा एवं मनोविज्ञान को परिभाषित करे। • शिक्षा एवं मनोविज्ञान का संबंध । • विकास के विभिन्न चरणो की विशेषताओ और आवश्यकताओ की तुलना करे। • सीखने के विभिन्न तरीको के नाम बताइए। • विभिन्न मनोवैज्ञानिक लक्षणो के बीच अंतर करे। • व्यक्तिगत भिन्नताओ को पहचाने। • मानसिक स्वास्थ्य के महत्व की जांच करे। • शिक्षण – अधिगम प्रक्रिया का चित्रण करे।		
श्रेणिया –	अनिवार्य	
अधिकतम अंक 75	न्यूनतम उत्तीर्णांक 25	
व्याख्यानो की पूर्ण संख्या –टुयोटोरियल –प्रायोगिक लिखित (प्रति सप्ताह घंटो मे) L-4/W		

इकाई	प्रकरण / विषय	व्याख्यानो की संख्या
	शिक्षा और मनोविज्ञान	

I	• मनोविज्ञान अवधारणा और क्षेत्र • शिक्षा मनोविज्ञानका सम्बन्ध • शिक्षा और मनोविज्ञान का महत्व • शिक्षा मनोविज्ञान की अध्ययन विधियों	8
II	विकास की प्रक्रिया • विकास – अर्थ एवं रूप • अभिवृद्धि एवं विकास • विकास के चरण • विकास के रूप – शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक, सामाजिक, भाषा विकास	8
III	अधिगम की समझ • अर्थ, प्रकृति तथा प्रभावित करने वाले कारक • अधिगम की शैलिया • अधिगम स्थानन्तरण एवं इसका कक्षा निहितार्थ • अधिगम सिद्धान्त : पावलोव शास्त्रीय अनुबंधन का सिद्धान्त स्किनर क्रिया प्रसूत, अनुकूलन सिद्धान्त, शानदाइक का प्रयत्न एवं भूल का सिद्धान्त, गेस्टाल्टवाद का सिद्धान्त एवं उनके शैक्षिक निहितार्थ।	7
IV	चतुर्थ व्यवहार के आधार • मूल प्रवृत्ति • संवेदना • अभिप्रेरणा • स्मृति • ध्यान एवं रुचि	7

	• चिंतन तर्क एवं कल्पना • आदत • थकान	
V	वैयक्तिक भिन्नता • वैयक्तिक भिन्नताओं का अर्थ, प्रकार एवं कारण • वैयक्तिक भिन्नता और शिक्षा	8
VI	विशेष आवश्यकता वाले अधिगमकर्ता • मंद बुद्धि बालक • प्रतिभाशाली बालक • दिव्यांग (विकलांग)	8
VII	मानसिक स्वास्थ्य एवं समायोजन • मानसिक स्वास्थ्य के अध्ययन की अवधारणा एवं आवश्यकता • मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक • मानसिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा • समायोजन अर्थ एवं प्रक्रिया	7
VIII	शिक्षक एवं अधिगम प्रक्रिया • शिक्षण एवं अधिगम प्रक्रिया • शिक्षण की अवधारणा • शिक्षण एवं अधिगम में सम्बन्ध • शिक्षण बनाम अनुबंधन • अधिगम शिक्षा का उद्देश्य है • शिक्षण – अधिगम में शिक्षक की भूमिका	7

बी०ए० द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम

सेमेस्टर चतुर्थ

कक्षा प्रमाण पत्र बी0 ए0	वर्ष – द्वितीय	अर्धवार्षिक अध्ययन क्रम चतुर्थ
विषय – शिक्षाशास्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतक E016402P	पाठ्यक्रम शीर्षक : एक विशिष्ट बालक का वैयक्तिक अध्ययन	
पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम : इस पाठ्यक्रम की पूर्णता पर – शिक्षार्थी योग्य होंगे। • अनुसंधान के प्रति एक मजबूत अभिविन्यास विक्सीत करे। • विभीन्न विशेष बच्चो की पहचान करे। • केस अध्यन तैयार करे।		
श्रोणिया –	अनिवार्य	
अधिकतम अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक	
व्याख्यानो की पूर्ण संख्या – टुयोटोरियल –प्रायोगिक लिखित (प्रति सप्ताह घंटो मे) P-2/W		

इकाई	प्रकरण / विषय	व्याख्यानो की संख्या
I	वैयक्तिक अध्ययन क्या है और उसके सोपन	5
II	विशिष्ट बालक • प्रकार • विशेषताए	25

BA 3rd पंचम सेमेसटर

प्रशनपत्र प्रथम

सैद्धान्तिक

कार्यक्रम / कक्षा	वर्ष प्रथम	सेमेस्टर 5
विषय – शिक्षाशस्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतक – E010501T	पाठ्यक्रम शीर्षक – शैक्षिक आंकलन	

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

पाठ्यक्रम पूरा होने पर शिक्षार्थी निम्न मे सक्षम हो सकेंगें।

- आकलन, मापन और मूल्यांकन को परिभाषित कर सकेंगे।
- अच्छे परीक्षण की विशेषताओ तथा उदाहरण से परिचित हो सकेंगे।
- विभिन्न मनोवैज्ञानिक परीक्षणो का वगीकृत कर सकेंगे।
- किसी प्रयोज्य की बुद्धि / व्यक्तित्व / अभिक्षमता को माप सकेंगे।

श्रोणिया – 4	अनिवार्य
अधिकतम अंक 75	न्यूनतम उत्तीर्णांक 25
व्याख्यानो की पूर्ण संख्या – शैक्षणिक प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटो मे) L-4/W	

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान सं
1	आकलन • आकलन, मापन व मूल्यांकन की अवधारणा विशेषताए व उनके अन्तर। • भौतिक (शारीरिक) बनाम मनोवैज्ञानिक मापन • सतत एवं व्यापक शिक्षा का अर्थ, उददेश्य व दृष्टिकोण।	8
2	मनक (मानदंड) • मानक : अर्थ व महत्व • अकं बनाम ग्रेड • क्रेडिट प्रणाली	7
3	उपलब्धि परीक्षण	8

	• अर्थ, उद्देश्य एवं प्रकार • व्यक्ति निष्ठ बनाम बस्तुनिष्ठ परीक्षण • अच्छे परीक्षण की विशेषताए।	
4	बुद्धि • बुद्धि क्या है? बुद्धि के प्रकार • संवेगात्मक बुद्धि का प्रत्यय	7
5	बुद्धि का मापन • शाब्दिक व अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण • वैयक्तिक एवं सामूहिक बुद्धि परीक्षण	8
6	व्यक्तित्व • व्यक्तित्व का अर्थ • व्यक्तित्व के प्रकार • व्यक्तित्व के सिद्धान्त • फ्रायड एवंम युंग का व्यक्तित्व सिद्धांत	7
7	व्यक्तित्व का आंकलन • व्यक्तित्व अनुसची • प्रक्षेपीय प्रविधियाँ	8
8	अभिक्षमता • अभिक्षमता का अर्थ • अभिक्षमता का प्रकार • अभिक्षमता का विशेषताए • अभिक्षमता का मापन	7

BA 3rd सेमेसटर

प्रशनपत्र कोर्स ।।

सैद्धान्तिक

कार्यक्रम / कक्षा बी0 ए0	वर्ष तृतीय	सेमेस्टर 5
विषय – शिक्षाशस्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतक – E010502T	पाठ्यक्रम शीर्षक – शैक्षिक सांख्यिकी	
पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम – प्रशनपत्र समाप्ति पर विद्यार्थी मे निम्न दक्षताओ का विकास होगा। • विद्यार्थी सांख्यिकी शब्दो को परिभाषित कर सकेंगे। • छात्र संमाको को रेखाचित्रीय प्रर्दशन कर सकेंगे। • संख्यिकी की विभिन्न संक्रियाओ के परिणामो की व्याख्या कर सकेंगे। • उपयुक्त सांख्यिकी विषयो से समांको का विश्लेषण कर सकेंगे।		

श्रोणिया – 4	अनिवार्य प्रश्न पत्र
अधिकतम अंक 75	न्यूनतम उत्तीर्णांक 25
व्याख्यानो की पूर्ण संख्या – शैक्षणिक प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटो मे) L-4/W	

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान सं
1	संख्यिकी का परिचय – • सांख्यिकी का इतिहास • सांख्यिकी की परिभाषा एवं आवश्यकता • सांख्यिकी के प्रकार • साख्यिकी के प्रतीक	7
2	आकँडो का संगठन एवं प्रस्तुतीकरण • आकँडो का अर्थ, अवधारणा और महत्व • आवृप्ति वितरण • वर्ग अन्तराल	7

	• समावेशी • विशिष्ट	
3	समंको का रेखाचित्रीय प्रदर्शन – • दंड आरेख • दण्डाकृति • वृत चित्र	8
4	केन्द्रीय प्रवृत्ति के मान परिभाषा, उपयोग, माध्य, माध्यिका और बहुलक की गणना।	8
5	स्थिति संचक मान का मापन • स्थिति संचक मान का प्रत्यय • प्रतिशतीय क्रमांक • शतांक या प्रतिशतांक	5
6	परिवर्तनशीलता के माप • परिभाषा, उपयोग, गणना : रेंज, माध्य विचलन, मानक विचलन	8
7	सह सम्बन्ध • अर्थ, परिभाषा, उपयोग एवं प्रकार • स्पीयर मैन श्रेणीक्रम सहसम्बन्ध गुणांक • कार्लपियरसन गुणनफल आधूर्ण सह सम्बन्ध गुणांक।	12
8	सामान्य सम्भाव्यता वक्र • प्रत्यय एवं विशेषताए।	5

कार्यक्रम / कक्षा बी0 ए0	वर्ष तृतीय	सेमेस्टर 5
विषय – शिक्षाशस्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतक – E010503P	पाठ्यक्रम शीर्षक – प्रयोगात्मक	
मनोवैज्ञानिक परीक्षण के अंको का प्रशासन और व्याख्या – उपलब्धि / बुद्धिमता / व्यक्तित्व / योग्यता पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम – इस पाठयक्रम के पूरा होने पर शिक्षार्थी निम्न मे सक्षम होंगे – • अनुसंधान के प्रति एक मजबूत रूझान विकसित करे • विभिन्न मनोवैज्ञानिक परीक्षणो को समझे और उनका संचालन करे।		

श्रोणिया – 2	अनिवार्य प्रश्न पत्र
अधिकतम अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक

व्याख्यानो की पूर्ण संख्या–टुयटोरियल – प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटो मे) P-2/W

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान सं
I	मनोवैज्ञानिक परीक्षण : अनुदित पाठ और मार्ग दर्शन एवं काउंसलिंग की प्रकार और उपयोगिता	5
II	उपलब्धि / बुद्धिमता / व्यक्तित्व / योग्यता / परीक्षण के अंको का प्रबंधन और व्याख्या	25

नोट :– अंतिम परीक्षा मे रिपोर्ट की जांच बाहरी और आंतरिक परीक्षको द्वारा की जाएगी। अंक वितरण : समीक्षा प्रस्तुती – 15 अंक, वाइवा – 10 अंक

कार्यक्रम / कक्षा बी0 ए0	वर्ष तृतीय	सेमेस्टर 5
विषय – शिक्षाशस्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतक – E010503P	पाठ्यक्रम शीर्षक – अनुसंधान परियोजना	

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठयक्रम के पूरा होने पर शिक्षार्थी निम्न मे सक्षम होंगे –

- अनुसंधान के प्रति एक मजबूत रूझान विकसित करे
- अनुसंधान के मूल तत्वो को समझे।
- अनुसंधान के प्रति दृष्टिकोण विकसित करे
- डेटा एकत्र करे और उसका विश्लेषण करे ।

श्रोणिया – 3	कोर अनिवार्य
अधिकतम अंक – 100	न्यूनतम उत्तीर्णांक – 40

व्याख्यानो की पूर्ण संख्या–टुयटोरियल – प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटो मे) P-3/W

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान सं
I	शिक्षा से सम्बन्धित डेटा का संग्रह उपयुक्त सांख्यिकीय तरीको का अनुप्रयोग विश्लेषण और परिणामो की व्याख्या अथवा किसी विश्वविद्यालय मे मिलने जाना • उसकी प्रोफाइल तयार करना। • इसकी प्रशासनिक संरचना पर रिपोर्ट तैयार करना।	45

नोट :– अंतिम परीक्षा मे रिपोर्ट की जांच बाहरी और आंतरिक परीक्षको द्वारा की जाएगी। अंक वितरण : आंकलन – 50% बाहय + 50% आंतरिक

बी. ए. तृतीय वर्ष (सेमेस्टर – 6)

कोर्स – 1

(सैद्धान्तिक)

कार्यक्रम / कक्षा बी0 ए0	वर्ष तृतीय	सेमेस्टर 6
विषय – शिक्षाशस्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतक – E010601T	पाठ्यक्रम शीर्षक – शैक्षिक प्रशासन एवं प्रबन्धन	
पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम – इस पाठयक्रम के पूरा होने पर शिक्षार्थी निम्न मे सक्षम होंगे – • विभिन्न प्रकार की शैक्षिक संगठनो का विवरण दे सकेंगे। • प्रशासन, प्रबन्धन व पर्यवेक्षण के मध्य अन्तर स्थापित कर सकेंगे।		

श्रोणिया – 4	कोर अनिवार्य
अधिकतम अंक – 75	न्यूनतम उत्तीर्णाक – 25
व्याख्यानो की पूर्ण संख्या–टुयटोरियल – प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटो मे) L-4/W	

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान सं
I	शैक्षिक संगठन : • अर्थ एवं प्रकार • शैक्षिक संगठन की विशेषताएँ	8
II	शैक्षिक प्रशासन : • शैक्षिक प्रशासन का अर्थ, प्रत्यय एवं प्रकार • प्रशासन बनाम प्रबन्धन • शक्षिक प्रशासन के सिद्धान्त • प्रशासनिक कौशल	8
III	शैक्षिक प्रशासन व प्रबन्धन का विकास • शास्त्रीय शाखा (School) • नव शास्त्रीय शाखा (School)	7

	• नव प्रबन्धन	
IV	शैक्षिक प्रशासन के कार्य • POSDCORB	7
V	नेतृत्व • नेतृत्व का अर्थ एवं प्रकृति • नेतृत्व की शैलियाँ • केन्द्रीयकरण बनाम विकेन्द्रीयकरण • निर्णयन	8
VI	शैक्षिक नियोजन • शैक्षिक नियोजन अर्थ एवं प्रकृति • शैक्षिक नियोजन के दृष्टिकोण	8
VII	शैक्षिक वित्त • आवश्यकता एवं सार्थकता • वित्त के स्रोत	6
VIII	शैक्षिक पर्यवेक्षण • शैक्षिक पर्यवेक्षण का अर्थ व प्रकृति • निरीक्षण बनाम पर्यवेक्षण • शैक्षिक पर्यवेक्षण के प्रकार	8

बी. ए. तृतीय वर्ष (सेमेस्टर – 6)
परियोजना कार्य

कार्यक्रम / कक्षा बी0 ए0	वर्ष तृतीय	सेमेस्टर 6
विषय – शिक्षाशस्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतक – E010601R	कोर्स शीर्षक – शोध परियोजना	

श्रेणिया – 3	कोर अनिवार्य

अधिकतम अंक – 100	न्यूनतम उत्तीर्णांक – 40%

व्याख्यानो की पूर्ण संख्या–टुयटोरियल – प्रायोगात्मक (प्रति सप्ताह घंटो मे) P-3/W

इकाई	शीर्षक	व्याख्यान सं
1	किसी भी दूरस्थ शिक्षा केन्द्र का भ्रमण तथा वहाँ के प्रशासक व पाँच विद्यार्थियों का साक्षात्कार करना। तत्पश्चात् दूरस्थ शिक्षा व संस्थागत शिक्षा की तुलना करना तथा रिपोर्ट तैयार करना। अथवा सामाजिक हानि को समझने के लिए एक कामकाजी बच्चे / एक बच्चा जिसने प्राकृतिक आपदा / युद्ध / आतंकवादी हमले का अनुभव किया हो। अनाथ शहरी/ग्रामीण गरीब बच्चे / एक बच्चा जो विद्यालय नहीं जाता / या एक ऐसे व्यक्ति का साक्षात्कार जिसका बचपन में ही विवाह हो जाता है।	45

नोट– परीक्षा में रिपोर्ट का मूल्यांकन, आतरिक व बाह् दोनों परीक्षकों द्वारा किया जायेगा। अकं वितरण 50 प्रतिशत + 50 प्रतिशत आंतरिक

बी0 ए0 तृतीय वर्ष
कोर्स 2
(सैद्धान्तिक)

कार्यक्रम / कक्षा बी0 ए0	वर्ष तृतीय	सेमेस्टर 6
विषय – शिक्षाशस्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतक – E010602T	पाठ्यक्रम शीर्षक – भारतीय शिक्षा की विशेष उपलब्धिया एवं नवीन आयाम	

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम –

इस पाठयक्रम के पूरा होने पर शिक्षार्थी निम्न मे सक्षम होंगे –

- विभिन्न प्रकार की शैक्षिक कार्यक्रमो व योजनाओ की सूची बना सकेंगे तथा उनमे विभेद कर सकेंगे।
- MOOC व SWYAM का प्रयोग करने मे सक्षम होंगे।
- OER के द्वारा अध्ययन सामग्री एकत्र कर सकेंगे तथा उसका प्रयोग कर सकेंगे।
- ई – जर्नल तथा ई–मैगजीन का पुनर्परीक्षण कर सकेंगे।

श्रेणिया – 4		कोर अनिवार्य
अधिकतम अंक – 75		न्यूनतम उत्तीर्णांक – 25
व्याख्यानो की पूर्ण संख्या–टुयटोरियल – प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटो मे) L-4/W		
इकाई	शीर्षक	व्याख्यान सं
I	विशेष उपलब्धियाँ : मुख्य कार्यक्रम एवं योजनायें • एकीकृत बाल विकास सेवायें (ICDS) • सर्व शिक्षा अभियान (SSA) • मध्यान्ह भोजन योजना (Mid–day Meal) • राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (RMSA) • राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अभियान (RUSA) • सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा का राष्ट्रीय मिशन (NMEICT) • शिक्षा का अधिकार (RTE) • पण्डित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एण्ड टीचिंग	9
II	विशेष उपलब्धियाँ : भारत में शैक्षिक	5

	संस्थान • शांति निकेतन • वनस्थली विद्यापीठ • चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय • पॉडिचेरी आश्रम • नवोदय विद्यालय	
III	शैक्षिक प्रौद्योगिकी • शैक्षिक प्रौद्योगिकी का परिचय एवं पहुँच • सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी का अर्थ प्रकार प्रत्यय व आवश्यकता • सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीकी व शिक्षा • शिक्षा में कम्प्यूटर व इण्टरनेट का प्रयोग	8
IV	नवाचार एवं पहल • EDUSAT- EDUCOM • MOOCS- SWAYAM • OERs (Open Education Resources • E-Journal. E-Magazine • E-Pathshala	7
V	सामाजिक प्रवृत्तियाँ एवं शिक्षा • समावेशन • मूल्य एवं नैतिकता • महिला सशक्तिकरण	8
VI	सांस्कृतिक प्रवृत्तियाँ एवं शिक्षा • सोशल मीडिया • जनसाख्यिकीय परिवर्तन	8

	• वैश्वीकरण • शांति	
VII	पर्यावरण प्रत्यय एवं चिंता • पर्यावरण एवं • पर्यावरणीय प्रदूषण • ओजोन परत क्षरण • ग्रीन हाउस प्रभाव • वैश्विक ताप	
VIII	पर्यावरण एवं शिक्षा • पर्यावरणीय शिक्षा प्रत्यय, उद्देश्य एवं महत्व • पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूकता • प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण तथा गैर–पारम्परिक संसाधनों का उपयोग	8

बी0 ए0 तृतीय वर्ष
कोर्स 3
(प्रयोगात्मक)

कार्यक्रम / कक्षा बी0 ए0	वर्ष तृतीय	सेमेस्टर 6
विषय – शिक्षाशस्त्र		
पाठ्यक्रम संकेतक – E010603P	पाठ्यक्रम शीर्षक – प्रयोगात्मक 1. एक आंगनबाडी केन्द्र का भ्रमण तथा आख्या तैयार करना 2. किसी की प्रचलित सामाजिक – सांस्कृतिक पर्यावरणीय मुद्दे पर एक लेख।	
पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम – इस पाठयक्रम के पूरा होने पर शिक्षार्थी निम्न मे सक्षम होंगे –		

- शोध के प्रति एक सशक्त अभिविन्यास विकसित कर सकेंगे।
- ICD एवं आंगनबाडी के प्रायय को समझ सकेंगे।
- मौजूदा मुद्दो को समझ सकेंगे तथा लेख लिख सकेंगे।

श्रोणिया – 2		कोर अनिवार्य
अधिकतम अंक –		न्यूनतम उत्तीर्णाक –
व्याख्यानो की पूर्ण संख्या–टुयटोरियल – प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटो मे) P-2/W		
इकाई	शीर्षक	व्याख्यान सं
I	ICDS (एकीकृत बाल विकास सेवायें) परिचय	5
II	आंगनबाडी : परिचय, संरचना, पर्यवेक्षण, उपयोगिता, चुनौतिया	10
III	लेख लिखने के सोपान एवं नीतिया	5
IV	साहित्य के स्रोत एवं उनके प्रयोग	10

नोट– परीक्षा में रिपोर्ट का मूल्यांकन, आतरिक व बाह् दोनों परीक्षकों द्वारा किया जायेगा।
अक वितरण आंगनबाडी रिपोर्ट एवं लेख – 15 अंक
मौखिकी परीक्षा – 10 अंक

Prof. Swati Saxena
Convener-Education
C.S.J.M. University, Kanpur